पाठ 1. इनसे सीखें

मौखिक कार्य

(क) 1. फूल मुसकान लुटाते हैं।
2. वृक्ष फल-फूल, ताज़ी हवा आदि दान करते हैं।
3. दूसरों के हित के लिए जीने वाले लोग त्यागी कहलाते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. फूल हमें यह सबक सिखाते हैं कि काँटों जैसी मुश्किलों के बीच भी मुसकुराकर जीवन जीने वाले लोग संसार में आदर के पात्र होते हैं।
2. जो लोग स्वयं कष्ट उठाकर औरों के जीवन में सुख एवं ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं उनका नाम अमर हो जाता है।
3. वृक्ष हमें दूसरों के लिए कर्म करते हुए जीने की शिक्षा देते हैं।
4. इन सभी से हमें हँसना और हँसाना तथा दूसरों के काम आते हुए जीने-मरने का भाव रखकर जीवन सफल बनाने का तरीका सीखने को मिलता है।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

(घ) बच्चों ने कविता को कंठस्थ किया है। उनसे कविता की पंक्तियाँ पूरी करवाएँ।

(ङ) 1. पुष्प 2. कंटक 3. रात्रि 4. पेड़ 5. तम 6. दीया

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(छ) बच्चों से चित्र में रंग भरवाएँ।
- सावधानी से रंग भरें।
- पेड़ों से प्राप्त होने वाली चीज़ों के बारे में बताएँ।
- बच्चों से पेड़-पौधों और प्रकृति के बारे में बातें करें।

पाठ 2. सच्चे मित्र

मौखिक कार्य

(क) 1. डामन और पीथियस यूनान के सिसिली नगर के निवासी थे।
2. सिरेकस के राजा का नाम डायोनीसियस था।
3. राजा ने पीथियस को फ़ाँसी की सज़ा सुनाई थी।
4. पीथियस के न लौटने पर डामन मन-ही-मन प्रसन्न हो रहा था कि वह एक मित्र के प्राण बचा रहा है।
5. राजा ने दोनों मित्रों को आज़ाद कर दिया तथा अपना सलाहकार नियुक्त कर लिया।

लिखित कार्य

(ख) 1. पीथियस ने डायोनीसियस की क्रूरता के विरुद्ध कुछ शब्द कहे थे। इसी कारण सिरेकस के सिपाहियों ने उसे गिरफ़्तार कर लिया।
2. राजा स्वभाव से बहुत क्रूर था।
3. मृत्युदंड सुनकर पीथियस ने राजा से विनती की कि वह फ़ाँसी के पहले एक बार अपने घर जाना चाहता है, ताकि अपने परिवारवालों को अलविदा कह सके।
4. राजा ने पीथियस से कहा कि यदि वह घर जाना चाहता है, तो उसे अपने बदले किसी को कैद में रखना होगा। यदि वह समय पर न लौटा तो उसके बदले जो आदमी कैद में है उसे मरना होगा।
5. पीथियस के न लौटने पर राजा ने डामन से कहा कि तुम्हारा मित्र तुम्हें संकट में डालकर फ़रार हो गया है। अब भी मान लो कि तुम्हारा मित्र लौटकर नहीं आएगा।
6. पीथियस के न आने पर डामन राजा से विनती करने लगा कि उसे शीघ्र ही फ़ाँसी पर लटका दिया जाए और उसके मित्र पीथियस को आज़ाद कर दिया जाए। ऐसी अटूट मित्रता देखकर राजा का दिल पिघल गया।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. राजा ने पीथियस से कहा क्योंकि पीथियस फ़ाँसी पर चढ़ने से पहले अपने परिवार के लोगों को मिलकर अलविदा कहना चाहता था और राजा को पीथियस पर भरोसा नहीं था।
2. डामन ने राजा से कहा क्योंकि राजा पीथियस को धोखेबाज़ बता रहा था लेकिन डामन को अपने मित्र पर पूरा भरोसा था।

(ङ) 1. जीवन 2. रंक 3. सुख 4. अविश्वास 5. रिहा 6. ज्ञानी

(च) 1. नियुक्त, वक्त, रक्त 2. अवश्य, दृश्य, वैश्य
3. शब्द, शब्दावली, अपशब्द 4. मृत्यु, सत्य, अत्याचार

(छ) 1. डामन 2. झूठ 3. मित्रता 4. राजा 5. घर
6. मित्र 7. पीथियस

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चों को अपनी कल्पना के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर देने दें।
- इस प्रकार बच्चों के लेखन-कौशल का विकास होगा।
- वे अपने भावों को अभिव्यक्त करना सीखेंगे।

2. अविस्मरणीय घटना का वर्णन करना बच्चों को आना चाहिए।
- इससे बच्चों की वाक्य संरचना बेहतर होती है।
- वे नए शब्दों का प्रयोग करना सीखते हैं।

पाठ 3. बुराई का बदला

मौखिक कार्य

(क) 1. साँप खेत में एक बाँबी में रहता था।

2. गड़रिये महात्मा जी को खेत की ओर जाने से इसलिए मना कर रहे थे क्योंकि खेत में एक ज़हरीला साँप रहता था।
3. साँप ने काटना छोड़ दिया तो धीरे-धीरे लोगों के मन से उसका भय जाता रहा। अब बच्चे उसपर कंकड़-पत्थर भी फेंकने लगे।
4. बच्चों के डर से अब साँप केवल रात में ही बाहर निकलता था। भरपूर शिकार न मिलने के कारण धीरे-धीरे वह कमज़ोर होता गया।

लिखित कार्य

(ख) 1. साँप भोजन की तलाश में अपनी बाँबी से निकलकर खेत में इधर-उधर घूमता रहता था। यदि कोई उसके समीप आ जाता तो वह उसे काट लेता था। उसके काटने से कई लोगों की मृत्यु हो चुकी थी। इसी कारण लोगों ने डर के मारे उस खेत की ओर जाना छोड़ दिया था।

2. महात्मा जी ने मंद-मंद मुसकराते हुए गड़रियों से कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। वे साँप को वश में करने का मंत्र जानते हैं।
3. साँप के समीप पहुँचकर महात्मा जी ने एक मंत्र का जाप किया जिससे साँप शांत हो गया।
4. महात्मा जी ने साँप से कहा कि वह लोगों को काटना छोड़ दे और उनका बताया हुआ मंत्र जपता रहे, एक महीने के बाद वे उससे मिलने आएँगे।
5. महात्मा जी के जाने के बाद साँप ने लोगों को काटना छोड़ दिया। वह महात्मा जी के द्वारा दिए मंत्र का जाप करता रहता था।
6. साँप को कमज़ोर देखकर महात्मा जी ने उसे समझाया कि मैंने तो इतना ही कहा था कि किसी का अहित मत करो। मैंने यह कभी नहीं कहा कि दुर्व्यवहार व अत्याचार करने वालों से अपनी रक्षा न करो। तुम अपना विरोध प्रकट करने के लिए फुँफकार तो सकते थे।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

(घ) 1. गलत 2. सही 3. सही 4. गलत 5. सही

(ङ) 1. ज़हरीला 2. अहित 3. बुराई
4. अत्याचारी 5. विरोधी 6. न्यायालय

(च) बच्चे परिच्छेद को पढ़ें।

- सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करते जाएँ।
- सभी विद्यार्थी एक-एक सर्वनाम शब्द बताएँ।
- परिच्छेद में आए सर्वनाम शब्द – मैं, अपनी, उनकी, वह।

(छ) बच्चों से वाक्य बनाने को कहें।

- वाक्य पाठ से अलग हों। वाक्य सरल भाषा में व छोटे हों।
- एक-दो वाक्य बच्चों को बनाकर बताएँ।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चों को अपनी कल्पना से इस घटना का वर्णन करने दें।

- इससे बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।
- उन्हें छोटे व सार्थक वाक्य बनाने का अभ्यास होगा।

पाठ 4. दो बैलों की कथा

मौखिक कार्य

(क) 1. झूरी के बैलों के नाम हीरा और मोती थे।
2. दोनों बैलों को झूरी की पत्नी का भाई, गया अपने साथ अपने गाँव ले गया।
3. बैलों को रस्सी तोड़ते देख गया की लड़की ने दोनों बैलों को खोल दिया।
4. खेत का रखवाला दोनों बैलों को काँजीहौस छोड़ आया।
5. मोती झट से व्यापारी पर झपट पड़ा इसलिए वह व्यापारी जान बचाकर भागा।

लिखित कार्य

(ख) 1. झूरी के दोनों बैल आपस में प्यार करते थे। वे नाँद में एक साथ मुँह डालते और एक ही साथ मुँह हटाते थे।
2. गया के साथ जाते समय बैलों ने उसे बहुत तंग किया।
3. दूसरी बार गया ने उनसे बहुत सख्त काम लेना शुरू किया। वह उन्हें दिनभर हल में जोतता और जब-तब उन्हें मारता-पीटता और भरपेट चारा भी नहीं देता था।
4. रास्ते में साँड़ के मिलने पर हीरा और मोती के होश उड़ गए। भागना बेकार था इसलिए दोनों ने साहस से काम लिया। साँड़ ने आकर हीरा पर वार किया तो मोती ने उसपर पीछे से सींगों से चोट की। इससे साँड़ घबराकर भाग गया।
5. हीरा और मोती ने काँजीहौस में बंद जानवरों को छुड़ाने के लिए वहाँ की दीवार तोड़कर गिरा दी। इससे सभी जानवरों के लिए बाहर जाने का रास्ता बन गया।
6. जब व्यापारी दोनों बैलों को खरीदकर अपने गाँव ले जा रहा था तो उन्हें रास्ता जाना-पहचाना लगा। वे दोनों तेज़ी से भागे और जब तक व्यापारी उन्हें पकड़ता तब तक दोनों बैल अपने घर पहुँच चुके थे।
7. हीरा-मोती झूरी से बहुत प्यार करते थे, इसलिए बार-बार उसके पास लौट आते थे।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 3. 6. 5. 2. 4. 1.

(ङ) 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिग 3. पुल्लिग 4. स्त्रीलिंग 5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिग

(च) 1. घोड़ियाँ 2. भैंसें 3. गधे 4. लड़कियाँ 5. बकरियाँ 6. हड्डियाँ

(छ) 1. लाचार 2. कमज़ोर 3. भूखे 4. छोटी 5. सख्त

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे प्राय: अपने पालतू पशुओं के साथ जुड़ाव महसूस करते हैं।
- बच्चे अपनी भावना को अभिव्यक्त करें।
- यदि उन्होंने कोई जानवर नहीं पाला है तो वे कल्पना का सहारा भी ले सकते हैं।
- बच्चे दूसरों के अनुभव से भी कुछ सीख सकते हैं।

2. व्यापारी दोनों बैलों को अपने साथ ले जाता तो क्या होता, इसके आगे की कहानी बच्चों को अपनी कल्पना से लिखने को कहें।
- बच्चे इसे चार या पाँच पंक्तियों में लिखें।
- सभी के विचार भिन्न हो सकते हैं।
- सभी को अपनी सोच व समझ के अनुसार लिखने को कहें।
- इससे बच्चों के लेखन-कौशल का विकास होगा।

पाठ 5. देवदार की इच्छाएँ

रचनात्मक गतिविधि – 1

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. कक्षा में सभी बच्चों से इस बारे में पूछें।
   - सभी बच्चों के विचारों में से महत्वपूर्ण विचार श्यामपट्ट पर लिखें।
   - इससे बच्चे प्रकृति से लगाव की विशेषता को जानेंगे।
   - इससे उनमें प्रकृति-प्रेम की भावना उजागर होगी।
2. पाँच या छह वाक्यों में बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - यहाँ प्रकृति के अलग-अलग उपादानों के बारे में भी अवश्य लिखें।
   - बच्चों की कॉपी जाँचते समय वाक्य-संरचना व वर्तनी पर पूरा ध्यान दें।
   - अशुद्धियों को तीन-तीन बार शुद्ध करने को कहें।
3. सच्चा मित्र कैसा होता है? इस विषय पर बच्चे चर्चा करें।
   - हर बच्चा अपने विचार अभिव्यक्त करे।
   - अध्यापक/अध्यापिका कुछ महत्वपूर्ण बिंदु श्यामपट्ट पर लिखें।
   - मित्र और मित्रता से संबंधित कुछ शब्द लिखें जिनका प्रयोग कर बच्चे वाक्य बनाएँ।
4. बच्चे अपने मित्र को सबसे अधिक पसंद करते हैं। उनके मित्र के बारे में बातें करें।
   - उन्हें अपने मित्र में सबसे अच्छी बात क्या लगती है?
   - वे कितने वर्षों से मित्र हैं?
   - उनकी मित्रता कब और कैसे हुई?
   - कोई अच्छी या बुरी घटना जो मित्र के रहते उनके साथ घटी हो?
   - वे अपने मित्र को कब तक अपना मित्र बनाए रखना चाहेंगे और क्यों?
5. बच्चे पहले अपने विचार बताएँ।
   - बच्चों के बाद अध्यापक/अध्यापिका भी अपने विचार बताएँ।
   - कक्षा में यह बताया व समझाया जाए कि गाली के सामने गाली देने से समस्या समाप्त नहीं होती। गाली देने से स्वयं अपना स्वभाव बुरा हो जाता है।
6. पाठ के आधार पर भी बच्चे चर्चा कर सकते हैं।
   - अपने अनुभव के आधार पर भी वे बोल सकते हैं।
   - कक्षा में प्रत्येक बच्चे को एक मिनट का समय बोलने के लिए दिया जाए।
   - इससे बच्चों में आत्मविश्वास आएगा।
   - वे अपने विचार अभिव्यक्त करना सीखेंगे।
7. इस विषय पर बच्चे अपने विचार व्यक्त करें।
   - कुत्ते की जगह कोई अन्य जानवर भी हो सकता है।
   - वे उस जानवर को पालने के अपने अनुभव को अभिव्यक्त करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका उन्हें उनके भावों को अभिव्यक्त करने में सहायता करें।

(ख) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों की व्यावहारिक बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - प्राकृतिक आपदाओं में प्रतिवर्ष असंख्य लोग मारे जाते हैं।
   - बच्चे अपनी भावना को अभिव्यक्त नहीं कर सकते, उन्हें समझाएँ व सिखाएँ।
   - बच्चों से अपने भाव एक कविता के रूप में लिखने को कहें। यदि वे कविता नहीं लिख पाते हैं तो उन्हें अनुच्छेद लिखने को कहें।
2. इस क्रियाकलाप में अपने मित्र की तथा अपनी एक या दो फ़ोटो भी लगाएँ। इससे उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपने मित्र से बात किए बिना इन जानकारियों को भरें।
   - बच्चे बताएँ कि वे अपने मित्र के बारे में कितना जानते हैं।
   - पूरी जानकारी भर लेने के बाद बच्चों से कहें कि वे अपने मित्र से इसे सही कराएँ और देखें कि उन्हें कितने अंक मिल रहे हैं।
3. बच्चे अपने माता-पिता या अध्यापक/अध्यापिका से चर्चा करें।
4. बच्चे इन पशु-पक्षियों के बारे में जानते हैं। उन्हें स्वयं इनके जोड़े बनाने को कहें। मुर्गा – कुकड़ूँ-कूँ – दड़बा; शेर – दहाड़ना – गुफ़ा; साँप – फुँफकारना – बाँबी; चूहा – चूँ-चूँ – बिल; बंदर – खों-खों – पेड़; कौआ – काँव-काँव – घोंसला पशु-पक्षियों के चित्रों का संकलन कर बच्चों को एक कोलॉज बनाने को कहें। इससे उनका सामान्य ज्ञान बढ़ेगा तथा उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
5. बच्चों को पुस्तकालय ले जाएँ।
   - उन्हें प्रेमचंद की लिखी कहानी की किताबें उपलब्ध कराई जाएँ।
   - ध्यान रहे, कहानी का स्तर उनकी आयु व बौद्धिक क्षमता के अनुसार ही हो।
6. बच्चे अपने अध्यापक/अध्यापिका से बात करें।
   - बच्चे अपने माता-पिता या भाई-बहन से भी सहायता ले सकते हैं।
   - इंटरनेट पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
   - जानकारी प्राप्त करने के बाद इसपर चर्चा करें।
7. बच्चे कक्षा में चर्चा करें।
   - उन्हें आज़ादी का महत्व बताएँ।
   - पशु-पक्षियों को भी स्वतंत्रता प्रिय होती है।
   - देश की गुलामी के बारे में भी बताएँ।

पाठ 6. रिमझिम-रिमझिम

मौखिक कार्य

(क) 1. बादल गरज-गरजकर आए।
2. बादल के बरसने पर गरमी से परेशान धरती की सारी पीड़ा समाप्त हो जाती है।
3. चिड़ियाँ सावन का संदेश लेकर आई हैं।
4. कलियाँ मुसकुराकर भँवरों से बात कर रही हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. रिमझिम बादल त्रस्त धरा की पीड़ा को दूर करते हैं।
2. इस ऋतु को सुहानी इसलिए कहा गया है क्योंकि इस ऋतु में प्रकृति का हर प्राणी प्रसन्नता से नाच उठता है। पपीहा जल की बूँदों को पीकर तृप्ति का अनुभव करता है। (बच्चों को बताएँ कि पपीहा वर्षा ऋतु में स्वाति नक्षत्र में गिरने वाली वर्षा की बूँदों को ही पीता है।)
3. वर्षा ऋतु के आने पर पपीहा पी-पी बोलने लगता है। वह पानी पीने के लिए अपना मुँह खोल देता है। कोयल डाली-डाली कूकने लगती है। मोर पंख फैलाकर नाच-कूदकर मन बहलाने लगता है। चिड़ियाँ चीं-चीं करने लगती हैं।
4. वर्षा ऋतु आने पर जंगल का हर प्राणी नाचने लगता है। तितली मेंढक, भँवरे सभी कलरव (शोरगुल) करने लगते हैं। सभी का मन प्रसन्नता से भर जाता है।
5. कवि के अनुसार प्रेम ही जीवन का सार है। बिना प्रेम के जीवन नीरस हो जाता है।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 'पाठ की भूमिका' के अंतर्गत देखें।

(ङ) 1. अंबर 2. कर्ण 3. वन 4. उपवन

(च) बच्चों को जातिवाचक संज्ञा से परिचित करवाएँ।
- परिभाषा को एक-दो बार कक्षा में दोहराएँ।
- जातिवाचक संज्ञा के कुछ उदाहरण देकर समझाएँ। जैसे – लड़का, पेड़, चिड़िया आदि।
1. कोयल 2. कलियाँ 3. पिचकारी 4. वन, मोर 5. नयन

(छ) बच्चों को स्वयं वाक्य बनाने दें।
- बच्चे पहले मौखिक रूप से वाक्य बनाएँ।
- ध्यान दें कि बच्चे वाक्य बनाते समय व्याकरण संबंधी अशुद्धियाँ न करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) बारिश में सभी को गर्म चीज़ें खाना अच्छा लगता है।
- पकौड़े, पूड़ी या हलवा।
- बच्चों से उनकी पसंद के बारे में जानें और उन्हें अपनी पसंद के बारे में बताएँ।

पाठ 7. लालच का फल

मौखिक कार्य

(क) 1. बूढ़ा व्यक्ति वास्तव में नगर का राजा था।
2. बूढ़े व्यक्ति ने लड़की को सोने की एक मोहर दी।
3. रामदीन ने मोहरों के बदले बूढ़े व्यक्ति से सोने की जंज़ीर माँगी।
4. रामदीन ने राजकुमारी से विवाह करने की इच्छा प्रकट की।
5. रामदीन को अपने लालच का फल मिल गया था। अत: उसे अपनी करनी पर शर्म आई।

लिखित कार्य

(ख) 1. बूढ़े व्यक्ति ने मधुर गीत की आवाज़ सुनी।
2. बूढ़े व्यक्ति ने झोंपड़ी के अंदर जाकर गाना गाने वाली लड़की के सिर पर हाथ फेरा और उसे सोने की एक मोहर दी।
3. सोने की मोहर देख रामदीन के मन में लालच आ गया। उसने बूढ़े व्यक्ति को रोककर कहा कि उसकी बेटी के गीत की कीमत दस मोहरें हैं। उसने तो केवल एक ही मोहर दी। उसने बाकी नौ मोहरें माँगी।
4. बूढ़े व्यक्ति ने रामदीन से कहा कि तुम मेरे साथ घर चलो, मैं तुम्हें टकसाल से खरे सोने की दस नई मोहरें दूँगा।
5. जब बूढ़ा व्यक्ति एक विशाल महल के द्वार पर जाकर रुका और वहाँ खड़े पहरेदारों ने उसे झुककर सलाम किया तो रामदीन को यह समझते देर नहीं लगी कि वह तो नगर का राजा था जो रात को वेष बदलकर घूम रहा था। तब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ।
6. नहीं, बूढ़े व्यक्ति ने रामदीन को दस मोहरें नहीं दीं। उसने उससे कहा कि तुम्हारी बेटी के गीत ने मुझे दो पल का आनंद दिया लेकिन तुम्हारे लालच ने मुझे निराश किया। अब मैंने भी तुम्हें दस मोहरें देने का वादा कर कुछ पल का आनंद दिया और अब इनकार कर तुम्हें निराशा दे रहा हूँ।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. रामदीन ने बूढ़े व्यक्ति से कहा क्योंकि वह उससे और मोहरें लेना चाहता था।
2. बूढ़े व्यक्ति ने रामदीन से कहा क्योंकि वह राजकुमारी से विवाह करने की बात कह रहा था।

(ङ) 1. लालची 2. वेष 3. मधुर 4. विवाह 5. टकसाल 6. आश्वासन

(च) 1. निराशा 2. भीतर 3. मधुर 4. न्याय

(छ) बच्चे आमतौर पर 'की' और 'कि' के प्रयोग में गलती करते हैं। उन्हें इसका अभ्यास करवाना अत्यावश्यक होता है।
- पाठ्यपुस्तक में बताए नियम के आधार पर बच्चों को दिए गए रिक्त स्थानों में 'कि' या 'की' भरने को कहें।

1. की 2. की 3. कि 4. कि 5. की 6. कि 7. की

(ज) 1. लालची 2. बूढ़े 3. मधुर 4. दस 5. खरे

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों से पूछें कि वे अपनी कौन-सी चीज़ इनाम में दे सकते हैं।

- बच्चों को यह सिखाना आवश्यक होता है कि केवल लेना ही नहीं बल्कि देना भी चाहिए।
- कोई अच्छा काम करे तो उसकी सराहना की जानी चाहिए।

2. बच्चे कल्पना करें कि जब उन्हें राष्ट्रपति से पुरस्कार मिले तो उस समय उन्हें कैसा महसूस होगा।

- बच्चों को अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का मौका दें।
- उन्हें बताएँ कि छोटे-छोटे वाक्यों से वे किस प्रकार अपनी कल्पना को शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं।

पाठ 8. गवाही देने वाला पेड़

मौखिक कार्य

(क) 1. यात्रा से लौटने पर मित्र अपने मित्र के पास अपना धन वापस माँगने गया।
2. बीरबल ने गवाही के लिए पेड़ को बुलाया।
3. बीरबल जानते थे कि पेड़ को गवाही के लिए बुलाने पर दरबार में हलचल अवश्य मच जाएगी। सभी दरबारी सोच में पड़ जाएँगे।
4. लगभग दो घंटे बीतने के बाद दरबारियों को परेशानी होने लगी।

लिखित कार्य

(ख) 1. यात्रा पर जाने से पहले मित्र ने अपनी सारी जमा पूँजी अपने मित्र को दे दी।
2. धन वापस माँगने पर मित्र ने कहा कि उसने तो उसे कोई धन दिया ही नहीं था फिर वह कौन-सा धन वापस माँग रहा है।
3. उसके मित्र द्वारा धन लौटाए जाने से साफ़ इनकार करने पर मित्र ने बीरबल से मदद माँगने का निश्चय किया।
4. बीरबल ने पेड़ को गवाही के लिए बुलाकर लाने के लिए कहा, इसलिए सब दरबारी आश्चर्य में पड़ गए।
5. बीरबल ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि पेड़ की गवाही के बारे में बात करने पर ही कपटी मित्र का छल पकड़ा गया।
6. धन मिलने पर वह व्यक्ति बीरबल के न्याय से अत्यंत प्रसन्न हुआ और खुशी से अपने गाँव वापस चला गया।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) 1. पहले मित्र ने दूसरे मित्र से।
2. दूसरे (कपटी) मित्र ने पहले मित्र से।
3. बीरबल ने पहले मित्र से।
4. दरबारियों ने एक-दूसरे से।
5. बीरबल ने पहले मित्र से।

(ङ) 1. कपटी 2. अगले 3. जमा 4. आम का 5. सारी
6. पेड़ की 7. तीर्थ 8. लालच

(च) बच्चे स्वयं क्रिया शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाएँ।

(छ) 1. की 2. के 3. की 4. को 5. का 6. की

रचनात्मक कार्य

(ज) अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को बीरबल के बुद्धिमत्तापूर्ण किस्से सुनाएँ।
- बच्चों को भी सुनाने के लिए प्रेरित करें।
- इससे उनमें कहानी कहने की कला का विकास होगा।
- वाचन एवं श्रवण कौशल का विकास होगा।

(झ) प्रत्येक बच्चे से उसके मित्र की विशेषताएँ पूछें।
- बच्चों को सच्चे मित्र की पहचान करना सिखाएँ।
- बच्चों को स्वयं सच्चा एवं अच्छा मित्र बनने के लिए प्रेरित करें।

पाठ 9. शरारत की सज़ा

मौखिक कार्य

(क) 1. टीनू एक शरारती बालक था।
2. प्रधानाध्यापक महोदय टीनू के घर उसकी शिकायत करने गए थे।
3. पुलिया पार करना खतरनाक इसलिए था क्योंकि पुलिया पर आर-पार जाने के लिए एक ही लकड़ी बची थी और वह भी सड़ी पड़ी थी।
4. टीनू देर रात तक घर नहीं लौटा इसलिए उसका पता लगाने टीनू के पिता मोनू के घर गए।

लिखित कार्य

(ख) 1. गाँववाले टीनू की शरारतों से परेशान रहते थे।
2. टीनू विद्यालय में छोटे बच्चों को अकारण पीटता रहता। कभी किसी की कॉपी, कभी किताब, तो कभी पेंसिल छीन लेता। अपने साथियों को लेकर कभी किसी के बाग में घुसकर फल तोड़कर फेंकने लगता। कभी तो लोगों के धुले कपड़ों पर मिट्टी डालकर चंपत हो जाता।
3. प्रधानाध्यापक महोदय ने टीनू को कक्षा से उसका नाम काट देने की धमकी दी और उसे सुधरने के लिए एक सप्ताह का समय दिया।
4. मोनू ने नाला पार करने से इसलिए मना किया क्योंकि पुलिया पर आर-पार जाने के लिए एक ही लकड़ी बची थी। वह भी सड़ी पड़ी थी।
5. टीनू की आवाज़ सुनकर एक व्यक्ति तैरकर नाले के पार गया और उसे अपनी पीठ पर बैठाकर इस पार ले आया।
6. टीनू ने कसम खाई कि अब वह कभी शरारत नहीं करेगा।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. मोनू ने टीनू से कहा क्योंकि टीनू उसे पुलिया के पार जाने के लिए कह रहा था और पुलिया पार करने के लिए जो लकड़ी लगी थी वह टूटी हुई थी।
2. टीनू के पापा ने टीनू से कहा क्योंकि टीनू शरारतों के कारण ही जंगल में फँस गया था।

(ङ) 1. निडर, डरावना 2. प्रभावशाली, दुष्प्रभाव 3. चिंतामग्न, चिंतित 4. पाठशाला, पाठक

(च) इसे बच्चे स्वयं करें। वाक्य प्रयोग भाषा में शुद्धता तथा विशिष्टता लाता है।

(छ) 2. पहाड़ी 3. नाली 4. पत्ती 5. टुकड़ी 6. खटिया

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें। बच्चे इन शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ समझें। वाक्य में प्रयोग करते समय बच्चे इनके अर्थ को पूरी तरह ध्यान में रखें।

(झ) 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिग 3. स्त्रीलिंग 4. स्त्रीलिंग 5. पुल्लिग 6. स्त्रीलिंग

रचनात्मक कार्य

(ञ) बच्चे स्वयं कल्पना करें।
- वे अपनी-अपनी सोच से लिखें कि ऐसी परिस्थिति में वे क्या करेंगे।
- ऐसे में किन व्यक्तियों की सहायता ली जा सकती है।

पाठ 10. मुझको वर्दी पहना दो

रचनात्मक गतिविधि – 2

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. वर्षा में भीगकर बच्चों को आनंद का अनुभव होता है।
   - कभी-कभार बच्चे पानी में फिसलकर गिर जाते हैं।
   - अपने इसी अनुभव को बच्चे कक्षा में सुनाएँगे।
   - बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें।
   - बच्चों के द्वारा की गई वाक्य रचना पर भी ध्यान दें।
   - बच्चों की भाषा को अच्छी बनाने में उनकी सहायता करें।
2. बच्चों को वर्षा में भीगना बहुत अच्छा लगता है।
   - बच्चों से उनके अनुभवों को कक्षा में सुनें।
   - उन्हें बताएँ कि किस प्रकार अपने अनुभव को वे शब्दों में ढाल सकते हैं।
   - वाक्य बनाने व कठिन शब्दों की वर्तनी लिखने में उनकी सहायता करें।
3. बच्चे कक्षा में अपने अनुभव सुनाएँ।
   - इनाम पाकर उन्हें कैसा लगा, ये भी बताएँ।
   - आगे इनाम पाने के लिए वे क्या-क्या करेंगे, यह भी बताएँ।
4. बच्चे अपने भावों को अभिव्यक्त करें।
   - तीनों के चरित्र की अच्छी और बुरी बातें लिखें।
   - वे बताएँ कि उन्हें किसका चरित्र अच्छा लगा और क्यों।
   - बच्चे इन तीनों के संवादों को अभिनय के माध्यम से भी प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
5. बच्चों को इस कहानी का मौन वाचन करने को कहें।
   - मौन वाचन के बाद बच्चों को आपस में एक-दूसरे से प्रश्न पूछने को कहें ताकि ये समझ में आ सके कि बच्चों ने कहानी ध्यान से पढ़ी है या नहीं।
   - इसके बाद एक-एक बच्चे को कहानी को मौखिक रूप से कक्षा में सुनाने को कहें।
   - इससे वाचन में बच्चों की रुचि बढ़ेगी।
   - इस गतिविधि से बच्चों में आत्मविश्वास पैदा होगा।
   - उनके उच्चारण स्पष्ट होंगे
   - वे भाषण कला में प्रवीण होंगे।
   - उनकी स्मरण-शक्ति का विकास होगा।
6. इस गतिविधि से बच्चों में वाचन एवं लेखन कला का विकास होगा।
   - वे पाँच चुटकुले छाँटने के लिए कुछ अधिक चुटकुले पढ़ेंगे।
   - उनको ये चुटकुले कक्षा में सुनाने के लिए कहें।
   - इससे कक्षा में मनोरंजन भी होगा।
7. सभी बच्चे शरारत करते हैं।
   - बच्चे स्वयं सोचकर बताएँ कि उन्हें शरारत करनी चाहिए या नहीं।

- शरारत करनी चाहिए तो क्यों और कैसी?
- यदि नहीं करनी चाहिए तो क्यों?
- इसपर सभी बच्चे अपने-अपने विचार अभिव्यक्त करेंगे।
- अध्यापक/अध्यापिका अपने विचार अंत में अभिव्यक्त करें।

8. बच्चे अपने जीवन की रोचक शरारत के बारे में लिखें।
   - उसे कक्षा में सुनाएँ।
   - इससे बच्चों की लिखित व मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।

(ख) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों की भाषा संबंधी तथा चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों से सभी ऋतुओं पर चर्चा करें – सरदी, गरमी, वसंत आदि।
   - इन ऋतुओं से संबंधित उनके विचार जानें।
   - अपने विचार भी उनके सामने रखें।
   - चर्चा करने के बाद उन्हें अपनी इच्छा से पाँच पंक्तियाँ लिखने को कहें।
2. वसंत/ग्रीष्म/वर्षा/शरद/हेमंत/शिशिर
   - ऊपर दी गई छह ऋतुएँ इसी क्रम से आती हैं। प्रत्येक ऋतु दो महीने की होती है।
   - बच्चों को हिंदी महीनों के नाम भी बता सकते हैं।
   - चैत्र / बैशाख / ज्येष्ठ / आषाढ़ / श्रावण / भाद्रपद / आश्विन / कार्तिक / मार्गशीर्ष / पौष / माघ / फाल्गुन।
3. बच्चे इसके बारे में जानकारी प्राप्त करें।
   - कुछ बच्चों को सिक्के इकट्ठे करना अच्छा लगता है।
   - वे अपने सिक्के कक्षा में लाकर सभी को दिखाएँ।
   - अध्यापक/अध्यापिका भारत में चल रहे सिक्के व नोट बच्चों को दिखा सकते हैं।
4. बच्चे अपने परिवार के लोगों से जानकारी लें।
   - अध्यापक/अध्यापिका भी उन्हें इसके बारे में जानकारी दें।
   - बच्चे विभिन्न पुस्तकों-पत्रिकाओं से ऐसी वस्तुओं के चित्र लेकर उन्हें अपनी कॉपी में चिपका सकते हैं।
5. इस क्रियाकलाप से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को उभारा जा सकता है।
   - इससे बच्चों को खेल-खेल में मुहावरे याद हो जाएँगे।
   - वे अभिनय कला सीखेंगे।
   - उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा।
   - वे दूसरों के भावों को समझने की कला सीखेंगे।
6. बच्चे अपने आसपास के परिवेश से कुछ पेड़-पौधों को चुनें।
   - किसी पुस्तक से जंगल के चित्र भी ले सकते हैं।
   - इससे बच्चों को प्रकृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा।
   - प्रकृति-प्रेम उन्हें पर्यावरण और उसकी सुरक्षा से जोड़ेगा।
7. यह परियोजना कार्य है। बच्चों को लोगों से वार्तालाप करना बताएँ। इससे उनमें आत्मविश्वास जागेगा। वे अपने-आप को समझदार व ज़िम्मेदार महसूस करेंगे।

पाठ 11. चालाक भेड़

मौखिक कार्य

(क) 1. आड़ से निकलने के बाद नन्ही भेड़ एक खेत में घुस गई और खूब जी भरकर पौधे खाए।
2. अंधेरा होने पर नन्ही भेड़ ने सोचा कि अब जंगली जानवरों के बाहर निकलने का समय हो गया है अब उसका शिकार हो जाएगा।
3. वनराज के पदचिह्नों को देखकर सियार ने कहा कि वह वनराज से बैर मोल नहीं ले सकता आखिर उसे भी तो जंगल में रहना है।
4. बाघ ने भी वनराज सिंह के डर से भेड़ का शिकार नहीं किया।

लिखित कार्य

(ख) 1. गड़रिया कंजूस स्वभाव का था।
2. सिंह के पाँव के निशान देखकर नन्ही भेड़ को जान बचाने का उपाय सूझ गया। उसने सोचा कि मरना तो है ही तो क्यों ना जीवित रहने के लिए कोशिश की जाए।
3. नन्ही भेड़ को देखकर सियार के मुँह में पानी आ गया और उसने सोचा, आज तो बढ़िया माल खाने को मिला है।
4. भेड़ ने भेड़िये से कहा कि उसकी बड़ी इच्छा थी कि वह उसकी भूख शांत कर पाती परंतु वनराज उसे खाना चाहते हैं।
5. भेड़ ने वनराज से कहा कि वे अपने पदचिह्नों से भी गए गुजरे हैं क्योंकि उनके पदचिह्नों ने तीन बार भेड़ की जान बचाई है और वे उसे मारने पर तुले हैं। इतना कहकर उसने पूरी कहानी वनराज को सुना दी।
6. वनराज ने भेड़ को गड़रिये की बाड़ी में पहुँचाया।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

(घ) 1. भेड़ ने भेड़िये से। 2. सियार ने भेड़ से।
3. भेड़ ने सियार से। 4. भेड़ ने अपने आप से। 5. बाघ ने भेड़ से।

(ङ) 1. उपाय 2. सियार 3. वनराज 4. जंगल 5. बाघ 6. भूख

(च) 2. आपकी, आपके 3. उनका, उनके 4. तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारे
5. उसकी, उसके 6. मेरा, मेरी, मेरे

(छ) बच्चे वचन बदलकर वाक्यों को स्वयं लिखें।
1. अनेक, भेड़ें 2. हम, खाएँगे 3. झाड़ियों 4. पद-चिह्नों

(ज) बच्चे स्वयं शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) इसे बच्चे स्वयं करें –
- बच्चे ध्यानपूर्वक चित्र में गोंद लगाएँ।
- उसके ऊपर रुई चिपकाएँ।
- अब सावधानी से सुंदर रंग भरें।
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की सहायता करें।

पाठ 12. वीर शिवाजी

मौखिक कार्य

(क) 1. दिल्ली का मुगल बादशाह औरंगज़ेब और बीजापुर का शासक आदिलशाह शिवाजी के दो प्रमुख शत्रु थे।
2. शिवाजी ने मावला जाति के लोगों को संगठित किया।
3. शिवाजी ने बीजापुर के तोरण किले को जीत लिया।
4. अफ़जल खाँ मुगलों का सरदार था।
5. शिवाजी ने अफ़जल खाँ का वध बघनखे से किया था।

लिखित कार्य

(ख) 1. आदिलशाह दिल्ली के मुगल बादशाह औरंगज़ेब की अपेक्षा कमज़ोर था। अत: शिवाजी ने पहले आदिलशाह से ही निपटने का निश्चय किया।
2. उन्होंने मावला जाति के लोगों को संगठित कर एक छोटी किंतु कुशल सेना तैयार की और उस छोटी सेना को लेकर शिवाजी विजय-यात्रा पर निकल पड़े।
3. आदिलशाह पर दूसरा आक्रमण औरंगज़ेब ने किया था।
4. अफ़जल खाँ ने यह योजना बनाई कि वह शिवाजी को मुलाकात के बहाने बुलाएगा और कैद कर लेगा।
5. जयसिंह ने अपनी मीठी-मीठी बातों से शिवाजी को इस बात के लिए राज़ी कर लिया कि वह औरंगज़ेब से हाथ मिला लें। वह शिवाजी को अपने साथ आगरा ले आया। शिवाजी अपने पुत्र के साथ औरंगज़ेब के दरबार में पहुँचे तो उनका पुत्र भी साथ में था। औरंगज़ेब ने भरे दरबार में उन्हें अपमानित किया तथा उन्हें और उनके पुत्र को कैदखाने में डाल दिया।
6. शिवाजी ईश्वर-भक्ति और दान-पुण्य के बहाने प्रतिदिन कुछ टोकरे मिठाई गरीबों में बँटवाने हेतु कारागार से बाहर भेजने लगे। शुरू में इन टोकरों की कड़ी जाँच होती रही। बाद में यह जाँच ढीली पड़ गई। इसी का लाभ उठाकर पिता-पुत्र टोकरों में बैठकर बाहर निकल आए।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

(घ) पाठ पर आधारित इन वाक्यों को बच्चों के सामने शुद्ध उच्चारणसहित पढ़ें।
- बच्चों से मौखिक रूप से जानें कि वाक्य सही हैं या गलत।
- चर्चा के बाद बच्चे इस अभ्यास को अपने-आप करें।

1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही 5. गलत 6. सही

(ङ) 2. आपका, आपकी, आपके 3. उनका, उनकी, उनके
4. तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारे 5. उसका, उसकी, उसके 6. मेरा, मेरी, मेरे

(च) 1. शिवाजी के दुश्मन चालाक थे।
2. किलों के द्वार खोल दिए गए।
3. मावला जाति के लोग साहसी होते हैं।
4. उन्होंने अपने हाथ बढ़ाए।

(छ) शब्दों के नए रूप बच्चे स्वयं लिखें।

2. लगवाया, लगवाई 3. उठवाया, उठवाई 4. रखवाया, रखवाई

5. मिलवाया, मिलवाई

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें। वाक्य छोटे व सार्थक हों। कक्षा में इन शब्दों पर वाक्य बनाएँ व बनवाएँ। कुछ वाक्य अध्यापक/अध्यापिका श्यामपट्ट पर लिखें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों को अपने विचार अभिव्यक्त करने के लिए कहें।

- राजा, मंत्री, चोर-सिपाही का खेल खेलना बच्चों को अच्छा लगता है।
- राजा बनकर वे बहुत कुछ करना चाहते हैं।
- बच्चे छोटे व सरल वाक्यों में अपने विचार लिखें।

2. बच्चों को स्वयं बताने दें कि साहसी और वीर बनने के लिए वे क्या करना चाहेंगे।

- ताकतवर बनने के लिए किस तरह का व्यायाम करना चाहिए, यह भी बताएँ।
- बच्चों को अपने विचार अभिव्यक्त करने के लिए कुछ शब्दों से परिचित कराएँ।

पाठ 13. साफ़-सफ़ाई रखो भाई

मौखिक कार्य

(क) 1. चारों ओर कूड़े-करकट का अंबार फैला हुआ है।
2. कवि अपने मन के अंदर की गंदगी को दूर करने की बात कह रहे हैं।
3. कवि स्वच्छता का मंत्र अपनाने को कह रहे हैं।
4. अपने आसपास साफ़-सफ़ाई रखकर हम नीरोग रह सकते हैं।
5. जब गंदगी दूर होगी तो खुशियों का संसार बसेगा।

लिखित कार्य

(ख) 1. कवि ने चारों ओर फैले कूड़े-करकट के ढेर को बाहरी गंदगी कहा है। कवि कहते हैं कि इस गंदगी को थोड़े से प्रयत्नों के द्वारा हम दूर कर सकते हैं।
2. अंदर की बीमारी मन में छिपे बुरे विचारों को कहा गया है। किसी के साथ धोखा करना, दूसरे के प्रति जलन की भावना रखना, द्वेष भावना से भरकर किसी का नुकसान करना आदि भी अंदर की बीमारी ही हैं।
3. स्वच्छता का मंत्र अपनाकर हम यदि जीवन जीते हैं, तो स्वस्थ और सबल जीवन का वरदान हमें प्राप्त होगा। इस स्वस्थ और सबल जीवन के साथ ही हम देश के हित में कार्य कर देश का कल्याण करने में सफल हो सकते हैं।
4. कवि कह रहे हैं कि तुम यह मन में निश्चित कर लो कि तुम गंदगी को टिकने नहीं दोगे। यदि ऐसा कर लोगे तो अपने आसपास तुम सफ़ाई रखोगे और इससे तुम्हारे जीवन में नई रोशनी जाग जाएगी।
5. कवि सभी को 'स्वच्छता महान' का नारा देना चाहते हैं क्योंकि गंदगी को दूर करने पर ही खुशियों का संसार बसेगा। घर, बस्ती व देश सुंदर होगा। चारों ओर से प्रदूषण हटेगा। मन और शरीर भी शुद्ध होगा।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

(घ) बच्चों को कविता कंठस्थ करवाएँ।
- कविता कंठस्थ करने के बाद बच्चे स्वयं पंक्तियाँ पूरी करें।

(ङ) अध्यापक/अध्यापिका इसका अर्थ 'कविता का परिचय' के अंतर्गत देखें।

(च) 1. बीमारियाँ 2. रचनाएँ 3. नारे 4. ढेरों 5. बस्तियाँ 6. खुशियाँ

(छ) 1. स्वच्छता 2. मानवता 3. निर्मलता 4. दानवता 5. पशुता 6. सुंदरता

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें। वाक्य सरल व छोटे हों। शिक्षक बच्चों की सहायता करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की सहायता करें।
- इंटरनेट से भी जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं।
- बच्चों को बताएँ कि वे कैसे इसमें अपना योगदान दे सकते हैं।

पाठ 14. वन महोत्सव

मौखिक कार्य

(क) 1. 'गांधी जयंती' 2 अक्तूबर को मनाई जाती है।
2. बच्चे उत्साहित इसलिए थे क्योंकि वे विद्यालय की ओर से अपनी अध्यापिका के साथ राजघाट जा रहे थे।
3. पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से जंगलों की कमी होती जा रही है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है।
4. पेड़-पौधों से हमें ऑक्सीजन गैस मिलती है।
5. मनुष्य स्वार्थी होकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पेड़ों की कटाई करता है।
6. लकड़ी से मकान, फर्नीचर आदि बनते हैं और इसका प्रयोग ईंधन के लिए भी होता है।
7. बच्चों ने गांधी जी की समाधि पर फूल चढ़ाए।

लिखित कार्य

(ख) 1. राजघाट पहुँचकर बच्चों ने देखा कि वहाँ बहुत से लोग जमा हैं। एक नेता वृक्षारोपण के लिए आए हुए हैं। उन्होंने पौधा लगाया और फिर उसे पानी दिया।
2. 'वन महोत्सव' वर्षा ऋतु से पहले आरंभ किया जाता है। इन्हीं दिनों बरसात आरंभ होती है और पेड़-पौधों को पानी मिलता रहता है। वे सूखते या मुरझाते नहीं।
3. नए पेड़-पौधों को बचाने के लिए पौधों के चारों ओर काँटों, तारों या ईंटों की बाड़ लगा दी जानी चाहिए। पौधों को नियमित रूप से पानी दिया जाना चाहिए।
4. अध्यापिका ने पेड़ लगाने के लाभ बताए कि वृक्ष हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन) देते हैं। ये हमारे आसपास की दूषित हवा लेकर वातावरण को शुद्ध रखते हैं। पेड़ की जड़ें अपने चारों ओर की मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे वर्षा या आँधी से ज़मीन कटती नहीं।
5. लोग पेड़ अपने घर के फर्नीचर बनाने, खिड़की-दरवाज़े बनाने के लिए काटते हैं।
6. बच्चों ने यह प्रण लिया कि वे अपना कर्तव्य निभाएँगे और नए वृक्ष लगाकर जन-जीवन की रक्षा करेंगे।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. यह प्रश्न श्रीकांत ने पूछा था। अध्यापिका ने उसे बताया कि 'वन महोत्सव' में वृक्ष लगाने का अभियान चलाया जाता है। यह महोत्सव वर्षा ऋतु से पहले आरंभ किया जाता है। इन्हीं दिनों बरसात आरंभ होती है और पेड़-पौधों को पानी मिलता रहता है।
2. यह प्रश्न भुवन ने पूछा था। अध्यापिका ने उसे बताया कि इससे हमें प्राण-वायु मिलेगी तथा पेड़ की जड़ें मिट्टी को बाँधे रखेंगी जिससे वर्षा या आँधी से ज़मीन कटेगी नहीं।
3. यह प्रश्न अमित ने पूछा था। अध्यापिका ने बताया कि लोग मकान, फर्नीचर बनाने तथा ईंधन के प्रयोग के लिए भी पेड़ काटते हैं।

(ङ) 1. राष्ट्रीय 2. स्वार्थी 3. नियमित
4. आवश्यकता 5. उपयोगिता 6. सुंदरता

(च) 1. दिया 2. बिगड़ रहा है 3. डालेगा 4. कटाई हो रही थी
5. लगाने चाहिए 6. मनाया जा रहा है

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें। अध्यापक/अध्यापिका इन शब्दों से सभी बच्चों से एक-एक वाक्य बनवाएँ। एक शब्द से चार या पाँच बच्चे भिन्न-भिन्न वाक्य बनाएँ।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चों को इस विषय पर अपने विचार अभिव्यक्त करने दें।

- बच्चे इसके लिए क्या तैयारियाँ करेंगे?
- किस तरह के पौधे लगाना चाहेंगे?
- किस विशेष अतिथि को बुलाना चाहेंगे और क्यों?

अध्यापक/अध्यापिका अपने विचार भी अभिव्यक्त करें।

(झ) बच्चे बढ़ते प्रदूषण के प्रभाव के बारे में सोचें।

- यदि प्रदूषण का बढ़ना न रोका गया तो क्या परिस्थितियाँ हो सकती हैं?
- पेड़-पौधों के न रहने पर पृथ्वी की क्या दशा होगी?

पहले अध्यापक/अध्यापिका इस विषय पर चर्चा करें। कुछ महत्वपूर्ण बिंदु श्यामपट्ट पर लिखें। बच्चों के विचार जानकर उनकी सराहना करें।

पाठ 15. चंद्रशेखर आज़ाद

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चे कहानी के आधार पर यह उत्तर लिखेंगे।
2. पाठ के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर दें।
3. बच्चों को औरंगज़ेब के जीवन से जुड़ी पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध कराएँ।
   - उन्हें पढ़ी गई पुस्तकों के अंश कक्षा में सुनाने को कहें।
   - पढ़ी गई पुस्तकों के अंश कक्षा में सुनाते समय बच्चे पूर्ण हाव-भाव का प्रदर्शन करेंगे। इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
4. बच्चों को शिवाजी के जीवन से जुड़ी पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध कराएँ।
   - उन्हें पढ़ी गई पुस्तकों के अंश कक्षा में सुनाने को कहें।
5. बच्चों से कक्षा में सफ़ाई अभियान चलाने को कहें।
   - कक्षा में कोई कूड़ा यहाँ-वहाँ न डालें।
   - बच्चे स्वयं कक्षा के लिए कुछ नियम बनाएँ।
   - बारी-बारी सभी को ज़िम्मेदारी सौंपी जाए।
6. बच्चे अपने घर में किस प्रकार साफ़-सफ़ाई रखते हैं, उसपर पाँच पंक्तियाँ लिखें। कक्षा में बच्चे आपस में चर्चा करें।
7. 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस)
   26 जनवरी (गणतंत्र दिवस)
   2 अक्तूबर (गांधी जी का जन्मदिन)
   बच्चों को इन तीनों त्योहारों के बारे में जानकारी दें। चित्रों के द्वारा उन्हें इन त्योहारों की झलक दिखलाएँ।
8. इससे बच्चे विभिन्न पेड़-पौधों के बारे में जानकारी जुटा सकेंगे।

(ख) क्रियाकलाप

1. बच्चों से कुछ ऐसी गतिविधियाँ कराएँ जो उनमें पढ़ाई के प्रति रुचि जगाएँ।
   - शिवाजी का चरित्र उनके लिए आदर्श स्वरूप होगा।
   - वे उनसे प्रेरणा प्राप्त करेंगे।
2. इस तरह व्याकरण पढ़ाने से बच्चों को व्याकरण जल्दी याद होगा।
   - वे व्याकरण पढ़ने में रुचि दिखाएँगे।
   - इस प्रकार याद किया व्याकरण वे जल्दी से नहीं भूलेंगे।
3. दिए गए नारे को कक्षा में दोहराएँ।
   - बच्चों को बताएँ कि इसी प्रकार के नारे उन्हें बनाने हैं।
   - इन नारों को बड़े बोर्ड पर लिखवाएँ।
   - स्कूल में बच्चों को एक साथ इन बोर्डों को लेकर जुलूस निकालें व सफ़ाई अभियान में पूरे स्कूल को शामिल करें।

4. बच्चे पेड़ लगाने की बढ़ती ज़रूरत के बारे में लिखें। नारे छोटे व प्रभावशाली हों। बच्चे इस नारे को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में लगा सकते हैं।
5. गांधी जी ने ही हमें अहिंसा का मार्ग दिखाया था। अत: उनके जन्मदिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चों से इस विषय पर चर्चा करें।
   गांधी जी तथा स्वतंत्रता की लड़ाई की कुछ बातें उन्हें बताएँ। बच्चों को 2 अक्तूबर के दिन गांधी जी के जीवन से जुड़े चित्रों की प्रदर्शनी दिखाएँ। इससे बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
6. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓

पाठ 16. अनमोल उपहार

मौखिक कार्य

(क) 1. पूरा राज्य फूलों व रोशनी से सजा हुआ था।
2. राजा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विजयनगर में निर्धनों और ब्राह्मणों को भोजन और वस्त्र बाँटे जा रहे थे।
3. तेनालीराम से ईर्ष्या रखने वाले दरबारी ने अवसर का लाभ उठाया।
4. राजा ने तेनालीराम का पता लगाने सिपाहियों को भेजा।
5. फूलों की पंखुड़ियाँ जामुनी, लाल तथा नीले रंग की थीं।

लिखित कार्य

(ख) 1. विजयनगर में राजा कृष्ण देवराय का जन्मदिन मनाया जा रहा था इसलिए वहाँ उत्सव का वातावरण था।
2. अतिथियों ने राजा को उपहार देने आरंभ कर दिए।
3. तेनालीराम की अनुपस्थिति में दरबारी ने राजा को यह कहकर भड़काना चाहा कि तेनालीराम इसलिए नहीं आया क्योंकि उसे आपको उपहार देना पड़ेगा।
4. जब दरबारी के कहने पर राजा ने अपने सैनिकों को तेनालीराम का पता लगाने के लिए भेजा तो दरबारी को तेनालीराम के विरुद्ध करने की अपनी योजना सफल होती लगी।
5. राजा की रुखाई से तेनालीराम समझ गए कि अवश्य ही किसी ने राजा को भड़काया है।
6. फूलों का गमला उपहार में देने का कारण बताते हुए तेनालीराम ने कहा कि पहाड़पुर के जंगलों में राजा इस पौधे को देखकर घंटों निहारते रहे थे। अतः तेनालीराम ने राजा की इस इच्छा को उनके जन्मदिन पर पूरी करने का विचार किया और वह पहाड़पुर जाकर यह फूल खास राजा के लिए ले आए।
7. राजा ने प्रसन्न होकर तेनालीराम से कहा कि हृदय से दिया गया तुम्हारा यह साधारण-सा उपहार भी मेरे लिए सभी मूल्यवान उपहारों से अधिक मूल्यवान है, यह अनमोल उपहार है।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

(घ) 2. 4. 3. 1. 5.

(ङ) 1. सुरूप 2. कल 3. इच्छा 4. स्वीकार 5. सफल 6. उदासी

(च) 1. प्रसन्न, प्रताप 2. अतिथि, अमर 3. अनमोल, अनबन 4. विनम्र, विज्ञान
5. उपहार, उपकार

(छ) 1. भाववाचक संज्ञा 2. विशेषण 3. विशेषण 4. भाववाचक संज्ञा
5. विशेषण 6. विशेषण 7. भाववाचक संज्ञा

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे अपनी कल्पना से कहानी को दूसरा रूप दे सकते हैं।
- कहानी के चरित्रों व घटनाओं को दूसरे ढंग से लिख सकते हैं।
- बच्चों को अपनी कल्पनाशक्ति को उजागर करने का मौका दें।

2. बच्चों को अपनी कल्पना से इसका उत्तर लिखने दें।

पाठ 17. दौड़

मौखिक कार्य

(क) 1. सारिका को नाश्ते की मेज़ पर परेशान देखकर शिवशंकर हैरान थे।
2. सारिका के प्रशिक्षक का कहना था कि वह दौड़ जीत सकती है।
3. शिवशंकर ने सारिका को ईश्वर से अतिरिक्त ऊर्जा की सहायता माँगने को कहा।
4. सारिका द्वारा प्रतियोगिता जीतने पर माता-पिता ने उसे तरक्की करने का आशीर्वाद दिया।

लिखित कार्य

(ख) 1. सारिका होने वाली दौड़ के परिणाम को सोचकर परेशान थी। वह दौड़ में जीतना चाहती थी।
2. शिवशंकर ने सारिका को समझाया कि परेशान होने से कोई फायदा नहीं, उसे ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए और जीतने का प्रयास करना चाहिए।
3. शिवशंकर ने कहा कि जीतने वाले को इनाम मिलता है तो हारने वाले को भी जीतने का दूसरा मौका मिलता है।
4. शिवशंकर ने सारिका को जीतने हेतु ईश्वर से अतिरिक्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करने के लिए कहा।
5. सारिका कमरे में जाकर बिस्तर पर लेट गई और आँखें बंद करके ईश्वर से प्रार्थना करने लगी।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) 1. परेशान 2. पिता 3. परेशानियाँ 4. बिस्तर

(ङ) 1. जातिवाचक 2. व्यक्तिवाचक 3. व्यक्तिवाचक 4. जातिवाचक

(च) 1. तुम 2. तुम्हें 3. अपने 4. मैं, आपकी

(छ) बच्चे स्वयं विराम चिह्नों को लगाएँ।
- पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- दिए गए वाक्यों को पाठ में ढूँढ़े।
- उचित विराम चिह्न लगाएँ।
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की सहायता करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चे स्वयं विचार करें एवं बताएँ।
- बच्चों से उनके मनपसंद खेल के बारे में पूछें।
- वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, पूछें।
- बच्चों का मार्गदर्शन करें।

पाठ 18. पढ़ाई

मौखिक कार्य

(क) 1. रामू का मन पढ़ने में नहीं लगता था अत: विद्यालय से जो भी गृहकार्य उसे मिलता वह उसे कभी पूरा नहीं करता था।
2. उसका पहले सत्र का परिणाम अच्छा नहीं रहा था।
3. रामू को जब परीक्षा परिणाम मिला तो वह सब विषयों में फेल था। कक्षा में बैठकर वह अपनी लापरवाही के लिए पछता रहा था।
4. रामू ने अंत में निश्चय किया कि वह दिन-रात एक कर देगा और मन लगाकर पढ़ाई करेगा।

लिखित कार्य

(ख) 1. रामू विद्यालय से लौटकर खाना खाने के बाद या तो टेलीविज़न के सामने बैठकर कार्टून फ़िल्में देखने लगता या फिर कंप्यूटर खोलकर गेम खेलने में व्यस्त हो जाता।
2. रामू की माँ उसे पढ़ने के लिए कहती थी।
3. कक्षा में बैठा रामू अपनी लापरवाही पर पछता रहा था।
4. मूँगफली वाले को अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसों की आवश्यकता थी। इसीलिए वह सर्दी के मौसम में भी इतनी रात को मूँगफली बेच रहा था।
5. मूँगफली वाले की बात सुनकर रामू सोचने लगा कि गाँव में मूँगफली वाले के बच्चों को सुख-सुविधाएँ भी कम मिलती होगी फिर भी वे मन लगाकर पढ़ रहे हैं।
6. मूँगफली वाले से बात करने के बाद रामू ने मन ही मन निश्चय किया कि वह दिन-रात एक कर देगा और मन लगाकर पढ़ाई करेगा।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. रामू ने मूँगफलीवाले से क्योंकि वह रात को भी मूँगफली बेच रहा था। बाहर काफ़ी ठंड थी।
2. पीयूष ने रामू से क्योंकि रामू परीक्षा में फेल हो गया था।

भाषा की समझ

(ङ) 1. विचलित 2. परीक्षा 3. गृहकार्य 4. ग्लानि 5. ठंड 6. गर्व

(च) 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिग 5. स्त्रीलिंग

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें। बच्चों को शब्दों के अर्थ से परिचित करवाएँ। प्रत्येक बच्चे को वाक्य बनाने का अवसर दें। कुछ वाक्य अपनी ओर से बनाकर श्यामपट्ट पर लिखें। इससे बच्चों के लेखन कौशल का विकास होगा।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चे अपने विचार लिखें। अपने उत्तर के समर्थन में कारण भी बताएँ। कक्षा में भी इस विषय पर चर्चा की जानी चाहिए। बच्चों को बताएँ कि पढ़ना और खेलना दोनों ही महत्वपूर्ण हैं लेकिन पढ़ने के समय में खेलना ठीक नहीं है। उनकी पसंद की पुस्तक के बारे में पूछें। उन्हें वह पुस्तक क्यों पसंद है, यह भी पूछें।

पाठ 20. नया तराना

मौखिक कार्य

(क) 1. बच्चे नया तराना गाना चाहते हैं।
2. आपस में मिल-जुलकर कठिनाइयाँ दूर की जा सकती हैं।
3. बच्चे नया तराना गाने की बात कर रहे हैं इसलिए कविता का शीर्षक नया तराना रखा गया है।

लिखित कार्य

(ख) 1. बच्चे नया तराना गाने की बात कर रहे हैं।
2. छोटे लोग भी बड़ों के समान काम करने में समर्थ होते हैं।
3. किसी काम को सफलतापूर्वक करने के लिए कठिनाइयों को दूर करना होगा तथा मिल-जुलकर काम करना होगा।
4. बच्चों में यह विश्वास है कि वे स्वयं इतने बलवान हैं कि असंभव कार्य को भी संभव करके दिखा सकते हैं।
5. देश के दुश्मनों या देश में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों तथा देश पर बुरी नज़र रखने वाले हर दुश्मन को अपने कदमों में झुकाने की बात कर रहे हैं।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) 1. सूरज – दिनकर, दिवाकर
2. पर्वत – शैल, पहाड़
3. दुश्मन – शत्रु, बैरी
4. पानी – जल, नीर

(ङ) इसे बच्चे अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(च) अंत्याक्षरी का आयोजन करवाएँ।
- बच्चों को दो समूहों में बाँट दें।
- हार-जीत से अधिक कविताओं के खेल को महत्व दें।

रचनात्मक गतिविधि – 4

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चों को पुस्तकालय ले जाएँ। वहाँ उन्हें तेनालीराम के किस्सों की पुस्तकें उपलब्ध करवाएँ। बच्चों को उन पुस्तकों में से किस्से पढ़कर कक्षा में सुनाने को कहें।
2. बच्चों से उनके मित्र व उनकी पसंद पर चर्चा करें।
   - जन्मदिन कैसे मनाया जाना चाहिए, इस पर भी उनके विचार जानें।
   - बच्चे अपने मित्रों को क्या उपहार देना चाहेंगे और क्यों, इसे कक्षा में बताएँ।
   - अपने विचारों को वाक्य रूप दें।

3. इस गतिविधि से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपनी रुचि बताएँ।
   - उसमें किस प्रकार आगे बढ़ोगे कक्षा में सुनाएँ।
   - इससे उनमें आत्मविश्वास आएगा।
4. बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करें –
   - परीक्षा की तैयारी करते समय बच्चे सावधानियाँ बरतते हैं?
   - कितने बजे उठते हैं? कितने बजे सोते हैं?
   - समय-सारिणी कैसे बनाते हैं?
   - क्या उसका पालन वे ईमानदारी से करते हैं?
   - अपने दोस्तों व अध्यापकों के साथ पाठ किस प्रकार दोहराते हैं?
5. बच्चे अपनी कल्पना को शब्दों में व्यक्त करें। हर बच्चे का अपना अलग स्वप्न होता है। कक्षा में उनके स्वप्नों पर चर्चा करें तथा इन स्वप्नों को साकार रूप देने के लिए उचित शब्दों की सही वर्तनी को श्यामपट्ट पर लिखकर उनकी सहायता करें।
6. आज जो आतंकवाद फैला है उसपर बच्चों से बात करें। वे इस चीज़ को अच्छा मानते हैं या बुरा, ये जानें। पिछले दिनों जो आतंकी हमले हुए, उनके बारे में क्या वे जानते हैं, इसपर चर्चा करें।
7. बच्चे देश की सेवा कैसे करेंगे, इस विषय पर बच्चों के विचार जानें। अपने विचारों से बच्चों को अवगत कराएँ।

(ख) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - इस कहानी का नाट्य रूपांतरण करके बच्चों से उसका अभिनय करवाएँ। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
2. इस क्रियाकलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपने-अपने विचार कक्षा में सुनाएँ।
   - स्कूल बच्चों का दूसरा घर होता है। उसके लिए उनके मन में अपार स्नेह होता है। उनके स्नेह को शब्दों में ढालने में उनकी सहायता करें।
   - अपनी ओर से स्कूल की कुछ विशेषताओं की ओर संकेत करें।
   - वाक्य व वर्तनी पर विशेष ध्यान रखने को कहें।
3. बच्चों को पत्र लिखने का अभ्यास करवाएँ।
   - श्यामपट्ट पर पत्र का नमूना बच्चों को समझाएँ।
   - उन्हें पत्र लिखने के लिए आवश्यक निर्देश दें।
   - पत्र लेखन की कला सीखना बच्चों के लिए आवश्यक है।

4. बच्चों से 26 जनवरी पर निकलने वाली परेड के बारे में चर्चा करें। बच्चों को बताएँ कि किस प्रकार साहसी बच्चों को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार दिया जाता है। उन्हें हाथी पर बैठाकर परेड में शामिल किया जाता है। उसी वर्ष या उसके पिछले वर्ष की कोई साहसिक घटना बच्चों को सुनाएँ। बच्चों से इस बारे में अपने माता-पिता से जानकारी प्राप्त करने को कहें।

5. 1. पर्वत – अपने इरादों पर अटल व दृढ़ रहना।
   2. धरती – दुख, तकलीफ़ सहकर भी दूसरों को सुख देना।
   3. सूर्य – स्वयं जलकर सबको प्रकाश देना।
   4. नदी – कभी न रुकना।
   5. फूल – दूसरों के जीवन को महकाना।